World Conference on Covid and Critical Care के उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष, लोकसभा का सम्बोधन

- विश्व कोविड एवं critical care सम्मेलन के आरंभ के अवसर पर आप सभी चिकित्सक बंधुओं, Pharmacists, physiotherapists, para-medical स्टाफ तथा अन्य उपस्थित व्यक्तियों के साथ जुड़कर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

- यह पूरे विश्व में अपनी तरह का एकमात्र सम्मेलन है जिसमें कोविड महामारी तथा उसमें critical care की भूमिका विषय पर व्यापक चर्चा होगी।

- अभी त्योहारों का समय है। कुछ ही दिन पहले पूरे देश में नवरात्र तथा दशहरा मनाया गया है। आप सभी को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

- इस कार्यक्रम से पूरे विश्व से Doctors तथा Scholars जुड़े हैं जो कोरोना से संबंधित विषयों पर Presentation देंगे तथा Round table में हिस्सा लेंगे।

- इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के अंदर Workshops भी आयोजित किए जाएंगे तथा युवा प्रतिभाओं के लिए quiz प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। यह खुशी का विषय है कि कार्यक्रम में सभी प्रकार के व्यक्तियों को स्थान दिया गया है।

- साथियों, पिछले दो वर्ष पूरी मानवता के लिए बहुत कठिन रहे हैं। विश्व के सभी देशों में कोरोना महामारी के संकट ने अभूतपूर्व चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं। कोरोना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव तो सभी देशों पर हुआ ही है, पर सबसे पहले इसने हमारे स्वास्थ्य एवं जीवन पर असर डाला है।

- इस महामारी ने दुनिया के हर देश, हर संस्था, हर समाज, हर परिवार, हर व्यक्ति की क्षमता को, उनकी सीमाओं को बार-बार परखा है तथा हमें अपने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रेरित भी किया है।

- पिछले वर्ष जब कोरोना की पहली वेव आई थी तो सरकार के लिए भी यह एक नई स्थिति थी। परंतु समय पर लिए गए निर्णयों के कारण जन-धन की हानि को बहुत हद तक नियंत्रित किया जा सका था। उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप लोगों की रही।

- आप लोग यानि कि हमारे चिकित्सक बंधु, para मेडिकल स्टाफ, हमारे सफाईकर्मी, इत्यादि इस कोरोना के खिलाफ इस महायुद्ध में हमारे frontline workers थे जिनके अथक प्रयासों के कारण हमें इस लड़ाई में सफलता मिली। आप लोगों ने मानव सेवा के लिए दिन रात काम किया ताकि हम सब इस बीमारी से सुरक्षित रहें। आपकी जितनी भी सराहना की जाए, वो कम होगा।

- आप सबने निजी खतरे के बावजूद समर्पण एवं प्रतिबद्धता से इस महामारी से मुकाबला करने में देश की सहायता की। विशेषकर इस महामारी के दूसरे वेव के दौरान जब अचानक रोगग्रस्त व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और हमारे स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव पड़ने लगा तब भी आप निजी सुविधा या आराम की परवाह किए बगैर सेवा कार्य करते रहे। पूरा देश आपकी इन सेवाओं के लिए ऋणी है।

- मित्रों, कोरोना के विरुद्ध महायुद्ध में हमारी सफलता का सबसे बड़ा कारण हमारी सामूहिकता की शक्ति थी। इस विपरीत समय में सरकार के नेतृत्व में पूरे देश ने एक सामूहिक भावना से लड़ाई में हिस्सा लिया। यही कारण था कि इतने कम समय में हम अपनी testing क्षमता को तेजी से बढ़ा पाए, sanitiser एवं PPE किट में आत्म निर्भर हो पाए तथा ventilator एवं oxygen concentrator के उत्पादन में वृद्धि कर सके।

- हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि आज देश के दूर दराज के क्षेत्रों में भी ventilators तथा oxygen concentrators पहुँच रहे हैं। पूरे देश में 1500 से भी अधिक आक्सिजन प्लांट्स के निर्माण पर कार्य चल रहा है।

- सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र मिलकर इस समस्या का मुकाबला कर रहे हैं। समाज सेवी संगठन भी इस दिशा में योगदान कर रहे हैं।

- अभी कुछ दिनों पहले मैं लद्दाख में था। वहाँ की एक प्रमुख समाज सेवी संस्था ने Remote areas में रहने वाले लोगों के लिए ventilator तथा oxygen concentrators की व्यवस्था की थी। यह दिखाता है कि हम इस महामारी से राष्ट्रीय भावना से लड़ रहे हैं।

- यही एकता और सामूहिकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। इस महान शक्ति के आधार पर हमने बड़ी से बड़ी मुसीबतों पर सदैव विजय प्राप्त की है।

- आज हम कोरोना के खिलाफ इस महायुद्ध के निर्णायक चरण में हैं। दूसरे वेव ने इस महामारी के विषय में हमें नए अनुभव दिए हैं, नए ज्ञान दिए हैं। हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस महामारी का खतरा अभी समाप्त नहीं हुआ है।

- जब तक यह वायरस हमारे बीच है, इसके अलग-अलग रूप बदल सकते हैं और यह हमारे लिए एक चुनौती बनी रहेगी। इसलिए इस महामारी के लिए हमें भिन्न- भिन्न स्तरों पर तैयारी करनी होगी। हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करना होगा, उन्हें और बढ़ाना होगा।

- इसी लक्ष्य से सरकार ने देश में 1 लाख frontline कोरोना warriors तैयार करने का महा अभियान शुरू किया है। आपको इस महाभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

- इस निर्णायक युद्ध के अंतर्गत 21 जून से राष्ट्रीय टीकाकरण महाभियान आरंभ किया गया है। यह अपने तरीके का विश्व का सबसे बड़ा अभियान है। इसके अंतर्गत पूरे देश को निश्चित समय सीमा के अंदर टीके का सुरक्षा कवच देने का निर्णय लिया गया है।

- देश में टीके के विभिन्न किस्मों का परीक्षण किया जा रहा है तथा संभावना है कि बहुत शीघ्र ही सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए टीका उपलब्ध हो जाएगा। टीका देने के अभियान को तेज गति से चलाया जा रहा है।

- अभी तक टीके के 100 करोड़ से अधिक dose दिए जा चुके हैं। एक ही दिन में ढाई करोड़ से अधिक टीके देने की उपलब्धि भी हमने हासिल की है। इस अभियान की सफलता में भी आप सब की भूमिका महत्वपूर्ण है।

- मुझे प्रसन्नता है कि कोविड वैश्विक सम्मेलन के लिए दुनिया भर से विशेषज्ञ तथा अन्य stakeholders इस आयोजन से जुड़े हैं। इस महामारी ने हमें यही सिखाया है कि कोई भी राष्ट्र चाहे वह कितना भी समर्थ हो, संसाधनयुक्त हो, शक्तिशाली हो, इस प्रकार की चुनौती का अकेले सामना नहीं कर सकता है।

- कोविड महामारी से हमें सबक मिला है कि हमें मानवता और मानव हित के लिए मिलकर सामूहिकता से कार्य करना है और साथ साथ आगे बढ़ना है। एक दूसरे से सीखना है, अपने best practices को साझा करना है और एक दूसरे का मार्गदर्शन करना है।

- भारत ने आरंभ से ही इस महामारी के विषय पर वैश्विक सहयोग की भावना से कार्य किया है। हमने अपनी capacity, knowledge तथा resources को विश्व के साथ साझा तो किया ही है, हम विश्व से सीखते भी रहे हैं। यही मार्ग हमें एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगा।

आपका बहुत बहुत धन्यवाद। मेरी कामना है कि ईश्वर आपको अपने सभी सत्कार्यों में सफलता प्रदान करें। आपके सभी कार्य सिद्ध हों। जय हिन्द।